

विकसित एवं अल्पविकसित अर्थव्यवस्था में अन्तर

(DIFFERENCE BETWEEN DEVELOPED AND UNDER-DEVELOPED ECONOMY)

विकसित एवं अल्प-विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों के बीच निम्न आधारों पर अन्तर किया जा सकता है—

विकास के अंग	विकसित अर्थव्यवस्था	अल्पविकसित अर्थव्यवस्था
1. कृषि	विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में कृषि व्यवसाय को प्रमुखता प्राप्त नहीं होती।	अल्प-विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में कृषि व्यवसाय प्रमुख होता है। इन देशों की 65 से 85 प्रतिशत जनसंख्या कृषि व्यवसाय में लगी होती है और राष्ट्रीय आय का 50 प्रतिशत भाग कृषि से ही प्राप्त होता है। वर्तमान में इनका अनुपात गिर रहा है।

2. प्राकृतिक संसाधन	इन देशों में प्राकृतिक संसाधनों का समुचित दोहन किया जाता है।	इन देशों में प्राकृतिक साधनों का दोहन बहुत अल्प हो पाता है।
3. पूँजी निर्माण	इन देशों में पूँजी निर्माण की दर बहुत ऊँची होती है।	इन देशों में पूँजी निर्माण की दर बहुत नीची रहती है।
4. प्रति व्यक्ति आय	इन देशों में प्रति व्यक्ति आय पर्याप्त होती है।	इन देशों में प्रति व्यक्ति आय बहुत कम होती है। धीमा पूँजी निर्माण देश को निर्धनता की ओर अग्रसर करता है।
5. राष्ट्रीय आय का वितरण	विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में राष्ट्रीय आय का वितरण लगभग समान-सा रहता है।	अल्पविकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में राष्ट्रीय आय का जनसंख्या के बीच वितरण बहुत असमान रहता है। राष्ट्रीय आय का अधिकांश भाग अल्प-संख्यक अमीरों को प्राप्त होता है।
6. उद्योग	विकसित देशों में पूँजी का अधिक विनियोग उद्योगों में किया जाता है दूसरे शब्दों में, यहाँ उद्योग प्रधान अर्थव्यवस्था होती है।	अल्पविकसित देशों में पूँजी का विनियोग उद्योगों में कम होता है। इन देशों में उद्योगों का अभाव होता है।
7. प्राविधिक स्तर	इन देशों में पूँजी प्रधान तकनीक का प्रयोग किया जाता है। अतः प्राविधिक स्तर बहुत विकसित होता है।	इन देशों में सामान्यतः श्रम प्रधान तकनीक का प्रयोग किया जाता है, अतः प्राविधिक स्तर बहुत पिछड़ा हुआ होता है।
8. बेरोजगारी	सामान्यतः इन देशों में बेरोजगारी होती ही नहीं है, यदि होती भी है तो बहुत कम।	इन देशों में बेरोजगारी की भयावह स्थिति होती है।
9. जनसंख्या	इन देशों में जनसंख्या कम होने के साथ ही जन्म व मृत्यु-दर भी कम होती है।	इन देशों में जनसंख्या बहुत अधिक होती है। जन्म व मृत्यु-दर भी अधिक पाई जाती है।
10. निर्यात	इन देशों की निर्यात पर कम निर्भरता होती है। निर्यात का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय उत्पादन में सन्तुलन स्थापित करना होता है।	ये देश निर्यात पर अधिक निर्भर रहते हैं। इन देशों में निर्यात का उद्देश्य राष्ट्रीय आय में वृद्धि करना होता है।
11. बैंकिंग	इन देशों में बैंकिंग सुविधाएँ समुचित होती हैं।	ये देश बैंकिंग सुविधाओं की दृष्टि से बहुत पिछड़े हुए होते हैं।
12. ग्रामीण जनसंख्या	विकसित देशों में ग्रामीण जनसंख्या सामान्यतः कम होती है।	अल्पविकसित देशों में ग्रामीण जनसंख्या बहुत अधिक होती है।
13. आयु प्रत्याशा	इन देशों में प्रत्याशित आयु 75 से 80 वर्ष तक होती है।	इन देशों में प्रत्याशित आयु कम अर्थात् 40 से 60 वर्ष तक होती है।
14. जनसंख्या घनत्व	विकसित देशों में जनसंख्या घनत्व सामान्यतः कम होता है।	अल्पविकसित देशों में जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक होता है।
15. तकनीकी शिक्षा	इन देशों में तकनीकी शिक्षा का स्तर बहुत ऊँचा होता है और तकनीकी शिक्षा के पर्याप्त अवसर व सुविधाएँ उपलब्ध रहती हैं।	इन देशों में प्रायः तकनीकी शिक्षा का अभाव रहता है और जो सुविधाएँ उपलब्ध भी हैं वह उन्नत और समुचित नहीं हैं।
16. उत्पादन तकनीक	विकसित देशों में उत्पादन हेतु उन्नत और नवीनतम तकनीक का प्रयोग किया जाता है।	अल्पविकसित देश परम्परा से चली आ रही तकनीक से ही उत्पादन कार्य करते हैं।
17. साक्षरता	इन देशों में साक्षरता का ऊँचा प्रतिशत पाया जाता है।	इन देशों में साक्षरता का प्रतिशत बहुत कम होता है।
18. संचार व यातायात सुविधाएँ	विकसित देशों में संचार व यातायात सुविधाएँ अत्यधिक उन्नत अवस्था में मिलती हैं।	अल्पविकसित देशों में संचार व यातायात सुविधाओं की स्थिति अत्यधिक दयनीय होती है।
19. वर्गभेद एवं जातिवाद	इन देशों में वर्गभेद व जातिवाद सामान्यतः नहीं पाया जाता।	ये देश वर्गभेद एवं जातिवाद की समस्या से बहुत गहरे तक ग्रस्त रहते हैं।

20. अधिकारों के प्रति जागरूकता	विकसित देशों का सामान्यजन अपने अधिकारों के प्रति जागरूक पाया जाता है।	इन देशों की जनता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं पायी जाती।
21. सैन्य-व्यवस्था	इन देशों की सैन्य-व्यवस्था अत्यधिक उन्नत स्थिति में होती है। सेनाएँ आधुनिक अस्त्र-शस्त्र से सज्जित होती हैं।	इन देशों की सैन्य-व्यवस्था सुगठित नहीं होती, साथ ही आधुनिक अस्त्र-शस्त्र का अभाव पाया जाता है।
22. प्रशासकीय कुशलता	इन देशों में प्रशासकीय कुशलता अधिक पाई जाती है।	इन देशों में प्रशासकीय कुशलता के नाम पर लालफीताशाही एवं भ्रष्टाचार का बोलबाला रहता है।